Dainik Bhaskar (Indore), 5th October 2020, Page-4

दैनिक भास्कर इंदौर, सोमवार 05 अक्टूबर, 2020

आविष्कार• आई-5 समिट के अंतिम दिन ऑटोएनएक्सटी ऑटोमेशन ने जीता पहला पुरस्कार

समस्या दूर करने के लिए बनाया इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, बगैर ड्राइवर के भी करवा सकते हैं खेतों में काम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

एंड्राइड एप के जरिए खेत में करता है काम, कैमरा और सेंसर भी है

पारंपिक ट्रैक्टर की कीमत बहुत ज्यादा होती है। छोटे किसानों के लिए इसे खरीदना आसान नहीं। यदि किसान खरीद भी लें तो इस पर काम करना भी मुश्किल है। गड्ढों वाली असमतल जगह पर लगातार लंबे समय तक ट्रैक्टर चलाते रहने से पीठ और बदन दर्द की समस्या आम बात है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुंबई के कौस्तुभ धोंडे ने ऐसा ट्रैक्टर बनाया जो डीजल के बदले बैटरी से चलेगा, सबसे खास बात यह कि इसे चलाने के लिए ड्राइवर की जरूरत भी नहीं होगी। एंड्रॉइड एप्लीकेशन के जरिए किसान दूर बैठकर से मोबाइल के जरिए इसे चला सकता है।

ऑटोएनएक्सटी ऑटोमेशन स्टार्टअप के फाउंडर कौस्तुभ धोंडे ने इलेक्ट्रिक ऑटोनॉमस ट्रैक्टर के बारे में यह जानकारी आईआईएम-आईआईटी द्वारा आयोजित आई-5 समिट के दौरान गेट फंडेड इवेंट में दी।

टीम मेंबर और इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के साथ आई-5 समिट के विजेता कौस्तुभ धोंडे।

कौस्तुभ ने बताया, यह पारंपरिक ट्रैक्टर की तरह सारे काम कर सकता है। इसमें खेत का आकार और खेत में जो काम करवाना हो उसे एंड्रॉइड एप के जरिए फीड कर दें तो सारा काम ये खुद कर सकता है। इसमें कैमरा और सेंसर भी है। किसी व्यक्ति या जानवर के सामने आ जाने पर ये खुद-ब-खुद रुक भी जाता है। कौस्तुभ के अनुसार इसका प्रोटोटाइप तैयार हो चुका है। यह किसानों को 40 फीसदी तक सस्ता भी पड़ेगा।

दस से ज्यादा निवेशक और स्टार्टअप हुए शामिल

आई-5 समिट के अंतिम दिन फंडिंग के लिए हुए गेट फंडेड इवेंट में 12 निवेशक और इतने ही स्टार्टअप शामिल हुए। निवेशकों में सिनबेक्स वेंचर्स, आईसी 1101, यूनिट्स कैपिटल, हॉस्टल फंड, स्टार्टअप जलसा, वेंचर कैटलिस्ट, आर्टिफ्यूटेक, ऑटोग्रीन, इट विदाउट गिल्ट, गोफ्लोट, सिटी स्पॉटर, फैशअप, प्लेसमेंट सागा, लेगबा, शिल्कारी, देट्समी और साइनटॉक शामिल हुए। तैराकी में मदद करने बचाने के लिए उपकरण तैयार करने वाले गोफ्लोट को दूसरा पुरस्कार मिला। आई-5 समिट के अंतिम इवेंट के रूप में स्टार्टअप एक्सपो हुए। करीब 35 स्टार्टअप के फाउंडर्स ने अपनी सर्विसेस की जानकारी दी। इसमें हेल्थ, एजुटेक, नॉलेज और एंटरटेनमेंट सहित अन्य क्षेत्र के स्टार्टअप शामिल थे। सीए सूरज ने बताया कि किस तरह के स्टार्टअप के लिए फंडिंग हासिल की जा सकती है।